देश में विमानों का निर्माण

1326. **श्री विश्वास राव रामराव पाटिल :** क्या **रक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में प्रति वर्ष कितने विमानों का निर्माण किया जाता है और उनके नाम क्या-क्या हैं ;

(ख) देश में स्थित विमान-कारखानों के नाम क्या-क्या हैं ;

(ग) क्या सरकार देश में ऐसे और कारखाने स्थापित करने का विचार रखती है; और

(घ) यदि हां तो उनका ब्यौरा क्या है ?

रक्षा मंत्रालय में रक्षा उत्पादन और पूर्ति विभाग में राज्य मंत्री (श्री चिंतामणि पाणिग्रही) : (क) से (घ) रक्षा मंत्रालय के अन्तर्गत विमान निर्माण करने वाली मैसर्स हिन्दुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड नामक एक कम्पनी है। इसके देश भर में विभिन्न स्थानों पर अनेक प्रभाग हैं। हिन्दुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड में प्रतिवर्ष निर्मित किए जाने वाले विमानों की संख्या और उनकी किस्म (मेक) ग्राहकों, मुख्यत: रक्षा उपयोक्ताओं की आवश्यकताओं और उपलब्ध उत्पादन क्षमता पर निर्भर करती है।

रक्षा मंत्रालय के अन्तर्गत विमान निर्माण करने वाली कोई और कम्पनी स्थापित करने का इस समय कोई प्रस्ताव नहीं है।

1327. [*Transferred to the 13th March, 1989*]

Public sector undertakings without Chief executives

1328. SHRI KAILASH PATI MISHRA:

SHRI HARI VAJPAYEE:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) the names of the public-sector undertakings under the Central Government which are running without Chief Executives and since when, in each case;

(b) the profits/losses incurred by each such unit during the above period; and

(c) whether Government propose to devise a system so that, before an Executive vacates his office, his replacement is decided well in advance; if such a system is possible, what will be its outline and by when it would come into force?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) As per information available, the names of public enterprises where the posts of Chief Executives were vacant as on 28th February, 1989 are mentioned in this enclosed Statement I. (*See* below) Posts of Chief Executives kept in abeyance are separately shown in the enclosed Statement-II. (*See* below).

(b) As in Statement III (*See* below).

(c) There is already a system of advance planning for vacancies which can be foreseen, i.e., those arising from retirement or expiry of tenure. There is also a time schedule laid down for each stage in the process from the identification of the vacancy to the actual joining of the selected candidate.